

SUMMARU TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF A.K.Gupta J.M.F.C. Gohad , DIST-. Bhind (M.P)

Case No...67/18 Sum.

Complaint or report madeon26-02-18.....

Name and address of the Complainant.....Police station Malanpur.....

.....

Name , parentage,caste and address of accused

दिनेश पुत्र बारेलाल कौरव उम्र 32 साल
निवासी डोलुआ का पुल, लश्कर ग्वालियर

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आपने दिनांक 26.02.18 को समय लगभग 13:30 बजे, स्थान रैन वैक्सी चौराहा, एटलस फ़ैट्री के गेट के सामने अंतर्गत थाना मालनपुर में वाहन मोटरसाईकिल क्र० एम०पी०-07 एन०सी०-3689. को उपेक्षा अथवा उतावलेपन से चलाया जिससे आहत दिलावर को साधारण उपहति कारित हुई इस प्रकार आपने ऐसा कृत्य किया है जो कि भा०द०वि० की धारा 279, 337 के तहत दण्डनीय अपराध है और इस न्यायालय के संज्ञान में आता है।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो।

(A.K.Gupta)

Judicial Magistrate First Class
Gohad distt.Bhind (M.P.)

The plea of the accused and his examination (if any)

जुर्म स्वीकार है। माफ किया जावे।

(A.K.Gupta)

Judicial Magistrate First Class
Gohad distt.Bhind (M.P.)

The offence proved. If any and in case under clause(d) clause(f) clause(g) of sub section 260 the value of the property in respect of which the offence has been committed.

// निर्णय //

(आज दिनांक 09.05.18 को घोषित)

01. आरोपी को स्वेच्छिक संस्वीकृति के आधार पर उसे भा०द०वि० की धारा 279, 337 के तहत दण्डनीय अपराध का दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया जाता है।
02. दण्ड के प्रश्न पर विचार किया गया। आरोपी के विरुद्ध अभिलेख पर कोई पूर्व दोषसिद्धि अभिलिखित नहीं है। अतः आरोपी की संस्वीकृति एवं अपराध की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुये आरोपी दिनेश पुत्र बारेलाल कौरव को भा.द.वि. की धारा 279, 337 के तहत दण्डनीय अपराध के आरोप में सिद्धदोष पाते हुए, भादवि० की धारा 71 एवं दप्रस की धारा 222 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा एवं रुपये 1000/- (एक हजार रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।
03. अर्थदण्ड संदाय में व्यतिक्रम की दशा में अभियुक्त को दस दिवस की अवधि के साधारण कारावास से भुगताया जावे।
04. जप्तपुदा सम्पत्ति वाहन मोटरसाईकिल क्र० एम०पी०-07 एन०सी०-3689 को उसके पंजीकृत स्वामी को लौटाया जाये। अपील की दशा में माननीय अपील न्यायालय के आदेश का पालन हो।

मेरे निर्देशन पर टंकित

(A.K.Gupta)
Judicial Magistrate First Class
Gohad distt.Bhind (M.P.)